महत्वपूर्ण एवं खास

छात्रों के मोबाइल इस्तेमाल पर लगाया प्रतिबंध

रायपुर (आरएनएस)। मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल से बच्चों के स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन पर पडऩे वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने बड़ा कदम उठाया है. दिल्ली के स्कूलों में छात्रों के मोबाइल इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। शिक्षा निदेशालय ने मोबाइल के इस्तेमाल को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है. इसके अनुसार, स्कूलों को छात्रों और अभिभावकों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करना होगा, जिससे वे आपातस्थिति में बात कर सकेंगे. निदेशालय ने इसके साथ अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे सुनिश्चित करें कि उनका बच्चा स्कूल में मोबाइल लेकर न जाए. एडवायजरी के अनुसार, अगर छात्र मोबाइल लेकर आता है तो स्कूल अधिकारी उसे लॉकर में रखने की व्यवस्था करेंगे, ताकि कक्षाएं समाप्त होने पर छात्र को लौटाया जा सके. शिक्षक और दूसरे कर्मी भी शिक्षण गतिविधियों के दौरान कक्षा, खेल के मैदान, प्रयोगशाला और पुस्तकालय में मोबाइल का इस्तेमाल करने से परहेज करें.

सड़क में दलदल, जिला प्रशासन को जगाने स्कूली बच्चों ने की धान की रोपाई

जशपुर (आरएनएस)। जिले में पंडरापाठ क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन स्थल हर्रापाठ में मुख्य सडक़ की बदहाली से लोग परेशान हैं. ऐसे में प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने स्कूली बच्चों के साथ अभिभावकों ने सडक़ के कीचड़-पानी भरे गड्ढों में धान की रोपाई कर अनोखा विरोध-प्रदर्शन किया. दरअसल, हर्रापाठ से सोनक्यारी तक की 11 किलोमीटर सडक़ कई सालों से अधूरी पड़ी है. बरसात के दिनों में स्कूली बच्चों को कीचड़ और पानी के गढ्ढों से आने-जाने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. इस सडक़ का निर्माण के लिए प्रशासनिक अधिकारी और जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों का अनेक बार ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ. इसके उलट सडक़ की बदहाली अब और बढ़ गई है. सडक़ के गड्ढों में बच्चों और उनके अभिभावकों को धान का रोपा लगाते देख वाहन चालक भी अपनी गाडिय़ों को खड़ा कर दिए थे. बता दें कि जशपुर-सन्ना मार्ग में हर्रापाठ से सोनक्यारी तक की 11 किलोमीटर तक की सडक़ कई सालों से अधूरी पड़ी है. इस सडक़ पर बारिश के दिनों में बड़े-बड़े गढ्ढे हो गए हैं. वहीं सोनक्यारी गांव में सडक़ दलदल में तब्दील हो गई है, जिसकी वजह से स्थानीय लोगों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्टाम्प पेपर व मुद्रांक को अधिक दर पर बेचने पर अनुविभागीय अधिकारी द्वारा की गई जब्ती कार्यवाही

महासमुंद (आरएनएस)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली हेमंत रमेश नंदनवार द्वारा विगत दिनों सतपथी टाइपिंग सरायपाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संचालक सतपथी टाइपिंग द्वारा 100 रुपए के स्टांप पेपर का 110 रुपए में विक्रय करना तथा 50 रुपए का मुद्रांक को 60 रुपए में विक्रय करते हुए पाया गया। संचालक एवं ग्राहक का शपथ पूर्वक कथन लिया गया। संचालक द्वारा अपने कथन में स्वीकार किया गया कि 100 रुपए के स्टांप को 110 रुपए में तथा 50 रुपए के मुद्रांक या न्यायालय टिकट को 60 रुपए में विक्रय करता है। मौके पर स्टांप पेपर एवं मुद्रांक या न्यायालय टिकट तथा जारी अनुज्ञप्ति को जब्त तक किया गया। अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन उच्च अधिकारी को भेजा गया है।

राज्य में छात्र-छात्राओं को पहली बार हायर सेकेण्डरी के साथ आईटीआई ट्रेड का मिला प्रमाण पत्र

- मुख्यमंत्री बघेल के निर्देश पर हायर सेकेण्डरी के साथ शुरू किया गया है आईटीआई
- मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को हायर सेकेण्डरी सह आईटीआई ट्रेड प्रमाण पत्र किए वितरित
- मुख्यमंत्री ने शिक्षक भर्ती के व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपे

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की तर्ज पर भारत सरकार 12वीं के साथ आईटीआई कराने पर विचार कर रही और हमने हायर सेकेण्डरी पास करने वाले छात्र-छात्राओं को आईटीआई प्रमाण पत्र भी वितरित कर दिए हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक भर्ती - 2023 के अंतर्गत व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र एवं 292 छात्र-छात्राओं को हायर सेकेंडरी सह आई.टी.आई. ट्रेड प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए कही।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि आज रोजगार के क्षेत्र में आईटीआई पास युवाओं की बहुत आवश्यकता है। ऐसे विद्यार्थी जो आईटीआई करना चाहते थे उन्हें हायर सेकेंडरी पास करने के बाद एक साल आईटीआई की ट्रेनिंग करना पड़ता है, इससे समय बहुत लगता है लेकिन आज 12वीं पास करते ही छात्र-छात्राओं के पास एक सर्टिफिकेट होगा, जो आपको चयनित ट्रेड का एक्सपर्ट बना देगा। इस डिग्री से आप जॉब भी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि सबके अपने सपने होते हैं, उन सपनों को साकार करने में माता-पिता का सबसे बड़ा योगदान है, खुद की मेहनत उससे भी महत्वपूर्ण है, लेकिन थोड़ा सा सहयोग सरकार की ओर से भी है। आप अपने सपने साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सके इसलिए एक प्रयास छत्तीसगढ़ सरकार ने किया और आज उसे भारत सरकार भी अपनाने के लिए आतुर है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा 12वीं के साथ आईटीआई का प्रमाण पत्र मिलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने नियुक्त व्याख्याताओं और हायर सेकेंडरी के साथ-साथ आई.टी.आई. ट्रेड प्रमाण प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हम लगातार कार्य कर रहे हैं, हमारी सरकार ने लगभग 27 हजार शिक्षकों की भर्ती की है। नियुक्ति पत्र प्रदान करने की शुरुआत आज हुई है अब यह क्रम लगातार चलता रहेगा। जो कल तक बेरोजगार थे आज उन्हें रोजगार मिल गया है। उन्होंने नव नियुक्त व्याख्याताओं से कहा कि आज से आपका संकल्प होना चाहिए कि छत्तीसगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ऊंचाई में ले जाना है। जहां भी आपकी ड्यूटी लगे पूरे मनोयोग से बच्चों को पढ़ाएं, उन्हें योग्य बनाएं। गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ का संकल्प हम आपके माध्यम से हम पूरा करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि बच्चों के लिए अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा सुलभ उपलब्ध हो सके इसलिए हमने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी और हिंदी माध्यम स्कूलों की शुरुआत की है। आज हमारे प्रदेश में 727 स्वामी आत्मानंद स्कूलों में साढ़े चार लाख से ज्यादा बच्चे पढ़ रहे हैं। मुझे यह बताते हुए ख़ुशी होती है कि हमारी सबसे अच्छी योजनाओं में से एक योजना स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी और हिंदी माध्यम स्कूल योजना है। इन स्कूलों से जब बच्चे पढक़र निकलेंगे, तब हम सब गौरवान्वित महसूस करेंगे। इसी प्रकार से 10वीं और 12वीं में पढ़ रहे बच्चों के लिए हमने आईटीआई का कोर्स करना शुरू किया, इसका परिणाम है कि आज 12वीं पास होते ही उनके हाथ में दो सर्टिफिकेट है, एक 12वीं का और दूसरा आईटीआई का।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि मुझे खुशी है कि भारत सरकार जो अभी सोच रही है, उसे करने में हम 2 साल आगे हैं। आज आईटीआई पास बच्चे जितने खुश हैं, उतनी ही खुशी हमारे ट्रेनर के चेहरों में भी दिखाई पड़ रही है, ट्रेनर्स आज तक केवल आईटीआई पढऩे वाले छात्र-छात्राओं को पढ़ाते थे, लेकिन आज वह नए तरीके से ट्रेनिंग दे रहे हैं। इस कोर्स को हमने 2 साल में बांटा है, पहला साल जिसमें अच्छी तरह थ्योरी की पढ़ाई हो सके, तो दूसरा साल प्रैक्टिकल। दोनों अलग-अलग काम है और जरुरी भी। स्कूल के विद्यार्थियों को हायर सेकेंडरी के साथ-साथ आई.टी.आई. ट्रेड कराने में एक बड़ी चुनौती है, जिन स्कूलों के पास आई.टी.आई. ट्रेड हैं वहां कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन जिन स्कूलों से यह संस्थान दूर हैं उन्हें थोड़ी मुश्किल होगी।

मुख्यमंत्री ने रायपुर शहर को दी 132.42 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज शाम रायपुर शहर को 132 करोड़ 42 लाख रुपये के कई विकास कार्यों की सौगात दी। बघेल ने रायपुर शहर के बीच ऐतिहासिक जय स्तंभ चौक पर शहीद वीर नारायण सिंह की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने छतीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के अंडरग्राउंड केबलिंग व विद्युतीकरण कार्य का शिलान्यास किया। यह काम 102 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा।

शहीद वीरनारायण सिंह जी की प्रतिमा का अनावरण- स्वाधीनता आंदोलन में अग्रणी रहे शहीद वीरनारायण सिंह जी की भव्य प्रतिमा जयस्तंभ चौक में स्थापित की गई है। ग्राम थनौद के मूर्तिकार राधेश्याम चक्रधारी व लव चक्रधारी ने इस प्रतिमा का निर्माण किया है। यह कांस्य प्रतिमा 15 फीट ऊंची व 02 टन वजन की है। प्रतिमा निर्माण व सौंदर्यीकरण कार्य की कुल लागत लगभग 51 लाख रूपए है।

सीएसपीडीसीएल की 112 करोड़ की कार्य योजनाओं का शुभारंभ- सीएसपीडीसीएल द्वारा 109 करोड़ रूपए की लागत से प्रस्तावित अंडरग्राउंड केबलिंग व विद्युतीकरण कार्य का शिलान्यास आज किया गया हैं। इस कार्य के पूरा हो जाने से सडक़ों पर फैले तार अंडरग्राउंड होंगे, जिससे शहरों को सुव्यवस्थित व सुंदर स्वरूप में विकसित करने में सहायता मिलेगी। इसके अलावा मठपुरैना व आईएसबीटी में 03 करोड़ रूपए की लागत से अतिरिक्त सब-स्टेशन व ट्रांसफार्मर स्थापना का कार्य का लोकार्पण हुआ है। अब इस क्षेत्र के निवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध होगी।

शहरी औद्योगिक पार्क रजक गुड़ी का लोकार्पण- परंपरागत रूप से कपड़े की धुलाई व प्रेस करने के काम में जुटे रजक समाज को उनके व्यवसाय से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा शहर के मध्य स्थित नरैया तालाब में राशि 69 लाख रूपए की लागत से स्थापित शहरी औद्योगिक पार्क रजक गुड़ी का लोकार्पण हुआ है। इस परिसर में मैनुअल के साथ-साथ आटोमेटिक इलेक्ट्रिकल वॉशिंग मशीन लगाई गई है, जिसमें 25-25 कि.ग्रा. के 02 कपड़े निचोडऩे वाली एक्सपेक्टर मशीन, 60 कि.ग्रा. क्षमता की 01 वॉशर तथा 50 कि.ग्रा. क्षमता वाली 01 ड्रायर मशीन स्थापित की गई है। परंपरागत व्यवसाय से जुड़े धोबी समाज के परिवारों को परंपरागत व्यवसाय के साथ ही उनके रोजगार सृजन की व्यवस्था इस पार्क में की गई है, जिसके अंतर्गत कपड़ा धोने के लिए साबुन और डिटर्जेंट बनाने का भी प्रशिक्षण इन परिवारों को दिया जाएगा। इस रोजगारोन्मुखी योजना का लाभ इस तालाब से जुडक़र परंपरागत व्यवसाय कर रहें धोबी समाज के लगभग 100 से अधिक परिवारों को प्राप्त होगा।

रायपुर में 12 करोड़ की लागत से 16 शहरी उद्यानों व तालाबों का जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण- रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा जल संरक्षण व कार्य का शिलान्यास हुआ है। इन भवनों के निर्माण हो जाने से विभिन्न समाजों के सैकड़ों परिवारों को अपने आयोजनों के लिए उपयुक्त स्थल उपलब्ध होगा।

बेहतर परफार्मेंस के लिए तीन पुलिस अफसर होंगे पुरस्कृत

रायपुर। आरएनएस

एक्सीलेंड इन्वेस्टिगेशन करने वाले पुलिस अफसरों को मिलने वाला यूनियन होम मिनिस्टर मेडल से इस बार राज्य के तीन पुलिस अफसर नवाजे जाएंगे। ये अवार्ड प्रतिवर्ष एक्सीलेंड इन्वेस्टिगेशन के लिए दिया जाता है। इस साल छत्तीसगढ़ में तीन पुलिस अफसरों को स्पेशल इन्वेसिटगेशन के लिए अवार्ड दिया जायेगा। इंस्पेक्टर आशीर्वाद राहटगांवकर, इंस्पेक्टर नीवन बोरकर के अलावे सब इंस्पेक्टर नीता राजपूत को होम मिनिस्टर मेडल से सम्मानित किया जायेगा।

रायपुर में सेक्टरवार प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 17 से 23 तक : एवं मोबाईल एप पर करा सकते हैं पंजीयन

- प्लेसमेंट कैम्प में शामिल होने रायपुर रोजगार संगी पोर्टल

रायपुर (आरएनएस)। जिला प्रशासन रायपुर द्वारा 17 अगस्त से 23 अगस्त 2023 तक रायपुर जिले में सेक्टरवार प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। होटल एवं रेस्टोरेंट सेक्टर के लिए 17 अगस्त को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सड्डू, रायपुर में प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इसी तरह 18 अगस्त को हॉस्पिटल एवं मेडिकल लेबोरेटोरी सेक्टर के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज बैरन बाजार, रायपुर में, 19 अगस्त को औद्योगिक, उत्पादन एवं तकनीकी क्षेत्र सेक्टर के लिए अडवानी आर्लिकन स्कूल बीरगांव, रायपुर में, 22 अगस्त को वित्तीय, सुरक्षा संस्थाएं एवं गैर तकनीकी क्षेत्र सेक्टर के लिए लाईवलीहुड कॉलेज जोरा, रायपुर में और 23 अगस्त को स्वरोजगार अवसरों हेतु लोन मेला लाईलीवुड कॉलेज जोरा, रायपुर में आयोजित किया गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रायपुर एवं जिला कौशल विकास प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त प्लेसमेंट कैम्प और लोन मेला में सम्मिलित होने के लिए रायपुर रोजगार संगी पोर्टल एवं मोबाईल एप के माध्यम से पंजीयन किया जा सकता है, जिसका लिंक है।

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के 5 साल : अच्छी योजनाएं, बेहतर सूचकांक

- सामाजिक-आर्थिक हर मोर्चे पर सूचकांकों में हुए सुखद बदलाव
- छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य एवं सामाजिक स्थिति में हुआ विकास, शिशु मृत्यु दर में गिरावट

रायपुर (आरएनएस)। बीते पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिति में बड़े पैमाने पर काफी सुधार हुआ है। राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके बेहतर क्रियान्वयन से ये परिणाम देखने को मिल रहे हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 के अनुसार इस दौरान नवजात मृत्यु दर 42.1 प्रतिशत से घटकर 32.4 प्रतिशत हो गई है। शिशु मृत्यु दर में भी काफी कमी आई है। यह 54.0 प्रतिशत से घटकर 44.3 प्रतिशत हो गया है। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु के मामले में भी कमी देखी गई है। यह 64.3 प्रतिशत से घटकर 50.4 प्रतिशत हो गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने प्रदेश में उच्च जोखिम वाली सभी गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रणनीति बनाई ताकि प्रदेश में हर माता और शिशु दोनों स्वस्थ रहें। इन्ही कोशिशों का यह परिणाम है कि प्रदेश में संस्थागत प्रसव में भी काफी बढ़ोतरी हुई है।

प्रदेश में शिशुओं की मृत्यु दर को न्यूनतम करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहे हैं। राज्य के 14 मेडिकल कालेज, 26 जिला अस्पतालों में सिक न्यू बॉर्न केयर यूनिट की स्थापना की गई है, जिनकी नियमित मॉनिटरिंग स्वयं एम्स रायपुर के विशेषज्ञों द्वारा की जाती है। स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कव्हर किए गए परिवारों की संख्या 68.5 प्रतिशत से बढक़र 71.4 प्रतिशत हो गई है।

राज्य सरकार द्वारा घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए बेहतर कार्य किए गए हैं। जिससे लोगों को शुद्ध पेयजल भी मिल रहा है। इसीका नतीजा है कि पेयजल उपलब्धता 96.3 प्रतिशत से बढक़र 98.8 प्रतिशत हो गई है। बेहतर सेनिटेशन सुविधा को उपयोग करने वाले घरों की जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। जो 34.8 प्रतिशत से बढक़र 76.8 प्रतिशत हो गया है। खाना पकाने के लिए स्वस्थ ईंधन उपयोग करने वाले परिवारों का 22.8 प्रतिशत बढक़र 33.0 प्रतिशत हो गई हैं।

छत्तीसगढ़ की महिलाएं भी अब आधुनिक तकनीकी का उपयोग करने लगी है। आज के वर्तमान परिवेश में सभी के पास इंटरनेट, मोबाइल, लैपटाप, कम्प्यूटर आदि अन्य संचार साधनों का उपयोग करने लगे हैं।

आंगनबाड़ी में मधुमक्खियों का हमला : पांच साल के बच्चे की मौत

जीपीएम (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के गौरेला में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां आंगनबाड़ी केंद्र के सामने मधुमक्खियों के झुंड ने पांच साल के बच्चे पर हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आंगनबाड़ी के अंदर मधुमक्खियों ने छत्ता बना रखा था। उनके झुंड ने दो बच्चों पर हमला किया था।

जानकारी के मुताबिक, आंगनबाड़ी सहायिका के मौजूद होने के बावजूद छात्र को बचाया नहीं जा सका। छात्र की मां ने दौडक़र बच्चे को मधुमक्खियों से छुड़ाया और अस्पताल लेकर गई। जहां इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई। तो वहीं दूसरे बच्चा का इलाज जारी है। मामला गौरेला के दौजरा गांव का है। परिजनों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

बताया जा रहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की लापरवाही के चलते पांच वर्षीय बच्चे की जान चली गई। मामला गोरेला विकासखंड की दौजरा गांव के ऊपरपारा आंगनवाड़ी का है। जहां आंगनबाडी के टॉयलेट के अंदर खतरनाक मधुमक्खियों का एक बड़ा छत्ता मौजूद है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुपरवाइजर सहित विभाग ने पूरी तरह अनदेखी करते हुए उसको उसी के हाल में छोड़ दिया था। धीरे-धीरे मधुमक्खी का छत्ता करीब दो फीट बड़ा हो गया। बीती नौ अगस्त को दोपहर के वक्त जब पांच वर्षीय ऋषभ आंगनबाड़ी में पढऩे वाले अन्य बच्चों के साथ आंगनबाड़ी के सामने खेल रहा था। तभी मधुमक्खियों ने छात्रों पर हमला कर दिया। मधुमक्खी के हमले के बाद सारे बच्चे भाग गए। ऋषभ और लक्ष्य ऐसा न कर सके। ऋषभ मधुमक्खियों के हमले की वजह से आगनबाड़ी केंद्र के सामने रखे जल जीवन मिशन योजना कर अंतर्गत रखें पाइप के रोल के अंदर गिर गया जबकि लक्ष्य बाहर जमीन पर गिर पड़ा।

इस दौरान लगातार मधुमक्खियां का झुंड ऋषभ और लक्ष्य के सिर हाथ पैर में काटता रहा मधुमक्खियां के डंक से पीड़ित ऋषभ लगातार चीख पुकार करता रहा लक्ष्य तो थोड़ी समझदारी दिखाते हुए वहां से भाग गया पर ऋषभ भाग न सका। पास ही मौजूद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने उन्हें बचाने का कोई भी प्रयास नहीं किया। बाद में आंगनबाड़ी के सामने थोड़ी ही दूर पर मौजूद बच्चों की मां ने अपने बेटे ऋषभ की चीख पुकार सुनी तो बेटे को बचाने मां दौड़ पड़ी और खुले हाथों से ही बच्चे को उठाकर भागी और अपने आंचल में मधुमक्खियां हटाकर उसे छुपा लिया। इस दौरान मधुमक्खियों ने उसकी मां को भी काटा पर मां बच्चे को लेकर अस्पताल दौड़ी चली आई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

विश्व हाथी दिवस पर गज गौरव राष्ट्रीय पुरुस्कार से सम्मानित हुए छत्तीसगढ़ से वनरक्षक व टीम

रायपुर (आरएनएस)। विश्व हाथी दिवस 12 अगस्त के अवसर पर भुवनेश्वर ओडिशा में देशव्यापी समारोह का आयोजन किया गया । इस समारोह में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन भारत सरकार के मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री उड़ीसा प्रदीप कुमार अमत द्वारा सामान्य वनमंडल महासमुंद में पदस्थ वन रक्षक दीपक शर्मा एवं गजयात्रा की टीम को गज गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ से इस वर्ष यह सम्मान लेने वाले दीपक शर्मा अकेले वन रक्षक हैं। वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने इस उपलब्धि के लिए दीपक शर्मा तथा छत्तीसगढ़ की गज यात्रा टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। देशव्यापी अवार्ड में महासमुंद जिले से नाम का चयन होना गर्व का विषय है। वनमण्डल अधिकारी पंकज राजपूत ने बताया कि मानव हांथी द्वंद को रोकने के लिए वन मंत्री मोहम्मद अकबर सदैव संवेदनशील रहते हैं, एवं उनकी मंशा थी कि वन विभाग एवं ग्रामीणों के मध्य किसी ऐसी कड़ी की आवश्यकता है जो ग्रामीण भाईयो को और अधिक जागरूक कर सके जिस कड़ी का काम गजयात्रा की टीम ने किया है एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय रायपुर का सतत् मार्गदर्शन गजयात्रा की टीम को हमेशा मिलता रहा है, प्रधान मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़ व्ही.श्रीनिवास राव ने हमेशा गजयात्रा की मुहिम को आगे बढ़ाने एवं मानव हांथी द्वंद को रोकने की वनमण्डल महासमुंद के प्रयासों को बल दिया है, वनमंत्री की मंशा अनुरूप, प्रधान मुख्य वन संरक्षक के निर्देशन पर गजयात्रा का शुभारंभ 08 अक्टूबर 2021 को किया गया। गजयात्रा के माध्यम से प्रतिदिन 3 चरणों में ग्रामीणों को हाथियों से सुरक्षित रहने के उपायों को बता कर जागरूक किया जा रहा है,अब तक लगभग 70 हजार लोगों को गजयात्रा के माध्यम से जागरूक किया जा चुका है।।जिले के हाथी प्रभावित क्षेत्र सिरपुर व हाथी विचरण क्षेत्र मोहन्दी, अरण्ड, बागबाहरा, कोमा, कोना, बकमा, खट्टी,तुमगाव में फिलहाल हाथियों की आमद कुछ कम हुई है। इससे पहले क्षेत्र में हाथी की दस्तक होते ही गांव सुना पड़ जाता था। लोग हाथी को भगाने तरह तरह के उपाय करते थे।आतिशबाजी, मिर्च,मशाल जलाकर हाथियों को भगाया जाता था, और अपनी जान जोखिम में डालते थे, इससे हाथी आक्रामक गये थे। इससे ग्रामीण, हाथी हिंसा के शिकार हो रहे थे। यह सब देखते हुए गजयात्रा कार्यक्रम शुरू की गई। वनरक्षक दीपक ने टीम के साथ गांव गांव जाकर चौपाल लगाकर प्रोजेक्टर में फिल्म दिखाकर एवं लोगो से चर्चा कर ग्रामीणों को हाथियों के व्यवहार एवं सुरक्षा के उपायों को समझाया है। गजयात्रा की टीम द्वारा ग्रामीणों को उनकी सामान्य भाषा एवं शैली में गीतों और कहानियों के माध्यम से हाथियों के प्रति संवेदनशील बनाने का सफल प्रयास किया है, तथा शासन द्वारा प्रदाय क्षतिपूर्ति का विवरण ग्रामीणों विस्तार से बताया गया एवं हाथी मानव द्वंद को सद्भावनापूर्ण बताया। जिससे हिंसा घटी है एवं जन घायल, जन हानि की घटनाएं शून्य हुई है।पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग भारत सरकार द्वारा गजयात्रा के सराहनीय कार्य के लिए दीपक शर्मा एवं टीम को राष्ट्रीय स्तर पर गज गौरव अवार्ड से नवाजा है और अकेला महासमुंद वनमंडल अखिल भारतीय गज गौरव अवार्ड के लिये सम्मानित हुआ है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU